



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 2-9-22	2-9-22	2	4-6

गर्भवती महिलाओं के लिए एचएयू ने तैयार की शैक्षिक सामग्री, कॉपीराइट भी मिला

छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में विकसित की शैक्षिक सामग्री

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। इस सामग्री को जल्द मोबाइल एप पर भी महिलाएं और अन्य लोग देख सकेंगे। एक क्लिक पर ही महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी मिल सकेगी।



एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं

करनी पड़ती है। इस अवसर पर विभाग की छात्रा पूनम यादव, डॉ. पूनम मलिक, डॉ. मंजु महता, डॉ. अतुल डीगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

दीन 25 जून 2021

2-9-22

4

1-4

एचएयू की विशेष एप करेगी महिलाओं का मार्गदर्शन

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कापीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं।

परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल एप की ओर रुख करते हैं। मगर गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल



कुलपति के साथ कापीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण। • पी.आर.ओ

संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डा. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अधिकारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल एप पर होगी उपलब्ध

मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डा. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
उज्ज्वल समाचार

दिनांक
2.9.22

पृष्ठ संख्या
5

कॉलम
3-6

गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

हिसार, 1 सितम्बर (विरोद वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण।

पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व आविष्कारों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध :

मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल झिंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभर उजाला	2-9-22	4	5-6

गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर एचएयू को मिला कॉपीराइट



एचएयू कुलपति प्रो. कांबोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम व अधिकारीगण। संकाय

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। जल्द ही इसे एप के जरिये भी उपलब्ध कराया जाएगा।

विश्वविद्यालय की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के

विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक विषयों को सम्मिलित किया गया है। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल दीगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	2.9.22	10	2-6

संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे: कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज हकृवि वैज्ञानिकों को गर्भवती महिलाओं को विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

अनेक गर्भवती महिलाओं को देखभाल स्वयं करती है, ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट की ओर रुख करते हैं

हरिभूमि न्यूज हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप अनेक गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम

मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम

मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध

मनव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महरा ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भवस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकार, जन्मोत्सव, अल्ट्रासाउंड, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप एप स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उनके खूब महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इन सामग्री को संश्लेषित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। मध्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार तथा एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-9-22	4	7-8

गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण।

हिसार, 1 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी।

उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती

महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है।

इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता, डॉ. अतुल बीगड़ा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समूचाऱ पत्र का नाम

हरियाणा टाइम्स

दिनांक

01.09.2022

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

हकृति वैज्ञानिकों ने विकसित की गर्भवती महिलाओं के लिए शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और उन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था



जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी माँ और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न

पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है।

कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें बीडिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध : मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि उक्त शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल वींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, बीडिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.09.2022	--	--

हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम यादव व अधिकारीगण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए

विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम यादव ने डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी।

मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. मंजु महता ने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर

पर उपलब्ध है उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। भविष्य में यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. अतुल ढोंगड़ा, डॉ. संदीप आर्य, डॉ. विनोद कुमार व डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	01.09.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री की बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करनी पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप को और रुझा करते हैं। परन्तु गर्भावस्था से संबंधित अधिकांश ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इन्हें पश्चिमी देशों की गर्भावस्था जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी मां और बच्चे को सुदृढ़ और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने

के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्र पुनम यादव ने डॉ. पुनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका होगी। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और इस कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हे बौद्धिक संपदा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अतिव्यक्तियों की सहायता से किसानों व आमजन के लाभ के लिए निरंतर प्रयासरत है।

यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होगी उपलब्ध
मानव संसाधन प्रबंधक निदेशक डॉ. पंचु माला ने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान



स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनोरंजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रेगनेंसी ऐप प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का

अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल शींगड़ा, मोडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्ष, बौद्धिक संपदा अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विनोद कुमार व एडवाइजर डॉ. पुनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	02.09.2022	--	--

कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को गर्भवती महिलाओं के लिए मिला शैक्षिक का कॉपीराइट

प्रवीण कुमार

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य विभाग एवं पौधोपजि अभियान विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए शिक्षित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी. आर. बाल्मौर ने दी। उन्होंने कहा आज के समय में इस उम्र की शैक्षिक सामग्री को बहुत आवश्यकता है क्योंकि गर्भवती महिलाओं को अपने दिव्य काल व्यतीत करने पड़ती है। ऐसे में वे मदद के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप को और सख्त करते हैं। परन्तु गर्भवती महिलाओं को शिक्षित शैक्षिक सामग्री को उपलब्ध कराने में ही उन्हें सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा गर्भवती महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान को कभी मां और बच्चे को बुद्धि और विकास पर प्रतिबन्ध प्रदान होना नहीं चाहिए। इस कार्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष विभाग को आज पुनः कार्य में ही पुनः महिला

के सहयोग में गर्भवती महिलाओं के विभिन्न कार्यों को स्वयं में रखने हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक आवश्यक संपर्क बनने वाली है। कुलपति ने इस शैक्षिक सामग्री के लिए इन शोधकर्ताओं की प्रशंसा की और एक कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय ऐसी कई तकनीकों पर काम कर रहा है जिन्हें शैक्षिक संसाधन के रूप में समर्थित किया जा सकता है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय अनुसंधान व अभियंताओं को सहायता से किसानों व उपभोक्ता के साथ के लिए निरंतर प्रयास है। यह शैक्षिक सामग्री मोबाइल ऐप पर होवी उपलब्ध मानव संसाधन प्रबंधन विभाग डॉ. मंगु माल ने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री में गर्भवती महिलाओं के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भवती महिला के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकार, संश्लेषण, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल और गर्भवती महिला के बारे में आम मिथ्या अति प्रतीति प्रयोगों को शामिल किया गया है।



कुलपति प्रो. बाल्मौर के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली प्रा. पुनः कार्य व अभियंता

आज समाज

उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो ऐप/वेबसाइट पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और

उसके बाद महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखा गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। अधिक में यह सामग्री एक

मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अतुल इंदिया,

शैक्षिक प्रशासक डॉ. करीम आन, शैक्षिक संसाधन अधिकारी डॉ. के. प्रदीप, डॉ. विवेक कुमार व सहपाठक डॉ. पुनः महिला उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाख्यार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
कृषि कर्म	01.09.2022	--	--

एचएयू वैज्ञानिकों को गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर मिला कॉपीराइट

■ (हि.स.)



डॉ. पूनम मलिक को साक्षर कर्मियों के साथ कॉपीराइट प्राप्त करने वाली छात्रा पूनम खडक व अधिकारिणियां।

हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव विकास एवं परिवारिक अध्ययन विभाग में गर्भवती महिलाओं के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री पर कॉपीराइट प्राप्त किया गया है। कुलपति प्रो. चौधरी कम्बोज ने मुख्यार को बताया कि आज के समय में इस प्रकार की शैक्षिक सामग्री को बहुत आवश्यकता है क्योंकि संयुक्त परिवार तैयारी से खत्म होते जा रहे हैं। परिवारमन्त्रण बहुत सी गर्भवती महिलाओं को अपनी देखभाल स्वयं करने पड़ती है। ऐसे में वे सफल के लिए इंटरनेट और मोबाइल ऐप की ओर रुख करते हैं परंतु गर्भावस्था से संबंधित अधिकृत ऐप अंग्रेजी भाषा में हैं और इनमें पहचाने योग्य को गर्भावस्था जसुरतों के विनाश से बचाया गया है।

उन्होंने कहा गर्भावस्था में महिलाओं को देखभाल संबंधी ज्ञान की कमी या और बच्चे को बुद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के उपरोक्त विभाग की छात्रा पूनम खडक ने

डॉ. पूनम मलिक के मार्गदर्शन में गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शैक्षिक सामग्री तैयार की है। उन्होंने कहा यह सामग्री भारतीय गर्भवती महिलाओं के लिए एक आवश्यक मार्गदर्शिका होगी। मानव संसाधन प्रबंधक

निदेशक डॉ. मंजू मलिक ने बताया कि एक शैक्षिक सामग्री में गर्भावस्था के बारे में सामान्य ज्ञान, गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व विकास, मनेरेजन, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, कपड़े, प्रसव, प्रसवेत

देखभाल और गर्भावस्था के बारे में आम मिथक आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शैक्षिक सामग्री विकसित करने के लिए सोचकलाओं द्वारा सबसे पहले वर्तमान में जो प्रवृत्तियाँ ऐप को स्टोर पर उपलब्ध हैं उनका मूल्यांकन किया गया और उसके बाद महिलाओं की जरूरतों का अध्ययन किया गया। इस सामग्री को संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने मूल्यांकन द्वारा प्रमाणित किया है। अंततः यह सामग्री एक मोबाइल ऐप के माध्यम से भारतीय गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराया जाएगा जिस अवसर पर विशेष कार्य अधिकारी डॉ. अशुल हींगड़ा, महिला एडवकाजटर डॉ. संदीप आर्य, शैक्षिक संगठन अधिकार इकाई के प्रभारी डॉ. विवेक कुमार व एडवाइजर डॉ. पूनम मलिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	2-9-22	4	1-3

Monitoring of pink bollworm in cotton must this month: Experts

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, SEPTEMBER 1

Stressing that this month was crucial for the cotton crop in view of the threat of pink bollworm attack, officials of the Agriculture Department and scientists have alerted the farmers and the field staff of the department to be vigilant and keep constant monitoring of the cotton fields.

Prof BR Kamboj said today that they held a meeting in this regard, which was attended by scientists of agriculture universities of Haryana, Punjab and Rajasthan and officials of the Haryana Agriculture Department.

Representatives of private seed companies in the HAU were also present on the occasion. Kamboj said agricultural scientists were constantly monitoring the problem of pink bollworm in the cotton crop in the northern region of the country.

He said all stakeholders would have to work together for the control of pink bollworm in the cotton crop. He said the wide spread of pink bollworm on cotton in Haryana and adjoining states, including Punjab and Rajasthan, was a matter of concern, which could be controlled



Pink bollworm attack on cotton flower. TRIBUNE PHOTO

COLLECTIVE EFFORT REQUIRED

All stakeholders will have to work together for the control of pink bollworm in the cotton crop. The wide spread of pink bollworm on cotton in Haryana and adjoining states is a matter of concern. An agri expert

with collective efforts. Last year, the outbreak was observed in 14 cotton-producing districts of Haryana.

Reports of pink bollworm incidence on Bt cotton are available in Bathinda and Mansa districts of Punjab and Hanumangarh and Sri Ganganagar districts of Rajasthan. Besides, nutrient deficiency has started in the cotton crop grown in sandy soil from this month. Farmers should meet the nutritional deficiencies as per their requirement," Kamboj stated.

Prof Kamboj said there was a need to reach out to the farmers with timely advisory for cotton crop in the northern states.

"The next month is very important for cotton. At this time, along with the monitoring of the pink bollworm, there will be a great need to pay attention to the use of nutrients," he said, adding that they would have to work collectively for the effective management of pink larva, white fly infestation and cotton leaf twist virus disease in the crop.